>

Title: Need to clean Ami river in Sant Kabir Nagar in Uttar Pradesh.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): महोदय, लोकतंत्र के इस पावन मन्दिर में आज आपने हमें प्रश्न के रूप में एक फूल अर्पित करने का जो अवसर प्रदान किया है, उसके लिए मैं हृदय से आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपने संसदीय क्षेत्र संत कबीर नगर के लोगों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस लोकतंत्र के मन्दिर में अपना आशीर्वाद देकर हमें भेजने का कार्य किया है।

महोदय, मैं एक गम्भीर प्रश्न के माध्यम से आपके सामने चर्चा लाना चाहता हूं। भारत के सूफी संत कबीर जिनकी पूरे विश्व में मान्यता है, ऐसे सूफी संत कबीर की निर्वाणस्थली मगहर के समीप एक आमी नामक नदी बहती है जिसका नाम कभी बुद्ध के काल में आमेय हुआ करता था। आमेय अमृत का पर्यायवाची है और भगवान बुद्ध जब सिद्धार्थ के रूप में अपने राजमहल का परित्याग करते हैं तो उसी आमेय नदी के जल को अपने हाथ में लेकर बौद्ध धर्म की तरफ अग्रसर होते हैं और वहीं से बुद्ध धर्म की शुरूआत होती है। उन्होंने ऐसे धर्म की शुरूआत की जो धर्म आज विश्व की आबादी के हिसाब से विश्व में सर्वाधिक आबादी पर अपना स्थान बनाए हुए है। चीन, कंबोडिया और श्रीलंका, इतने देशों की बड़ी आबादी पर बुद्ध की विचारधारा आज मानसिक रूप से अपना अधिकार जमाए हुए है। 18 जुलाई, 2007 को केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के कहने के बावजूद भी कि यह नदी आज इतनी प्रदूषित हो गई है कि जिसका जल न तो मनुष्यों के लिए उपयोगी है और न जानवरों के लिए उपयोगी है, उसके बाद आज 9 जुलाई, 2014 आ गया है और यह जानने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश की सरकार उसके निर्मलीकरण के लिए कोई योजना नहीं लाई है। ...(व्यवधान) सभापति महोदय, मैं क्षमा चाहूँगा, चूँकि मैं आज पहली बार बोल रहा हूँ। दो मिनट हमें और दें। ...(व्यवधान) उस नदी में प्रतिदिन 12000 लीटर कचरा गिर रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूँगा कि इस पर तत्काल रोक लगाने का आदेश देने की कृपा करें।